भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1572 का उत्तर

पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों के लिए रेल सेवा

1572. श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान देश में पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों को रेल सेवा से जोड़ने के लिए किसी परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या झारखंड के गिरिडीह लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में इस संबंध में कोई परियोजना स्वीकृत की गई है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

S.K

पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों के लिए रेल सेवा के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी के अतारांकित प्रश्न सं. 1572 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं के सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किए जाते हैं न कि राज्य-वार/संसदीय निवार्चन क्षेत्र-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

देशभर में, पिछले 03 वर्षों में अर्थात् वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 1,44,039 करोड़ रुपए लागत की कुल 7,697 कि.मी. लंबाई वाली 192 परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिससे अन्य बातों के साथ-साथ पर्यटन और सांस्कृतिक स्थानों तक संपर्कता संवर्द्धन होगा।

<u>झारखंड</u>

झारखंड राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे जोनों में आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का जोन-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, गिरीडीह सहित झारखंड राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 52,885 करोड़ रुपए लागत की कुल 3,070 कि.मी. लंबाई वाली 32 रेल परियोजनाएं (11 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिसमें से 744 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 15,986 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

श्रेणी	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	11	1069	156	3549
आमान परिवर्तन	1	159	90	184
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	20	1842	497	12254
कुल	32	3070	744	15986

S.K

इसमें गिरीडीह में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली सोननगर-अंडाल (374 किमी.), मधुपुर में बायपास लाइन (7.40 किमी.) और पारसनाथ-मधुबन-गिरिडीह नई लाइन (49 किमी.) की मल्टीट्रैकिंग शामिल है।

झारखंड राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	457 करोड़ रुपए/वर्ष
2024-25	7,302 करोड़ रुपए (लगभग 16 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान झारखंड राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	287 कि.मी.	57.4 कि.मी./वर्ष
2014-24	1,218 कि.मी.	121.8 कि.मी./वर्ष (2 गुना से अधिक)

******

S.K